प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर

2023 – 2024

आरईसी लिमिटेड

(विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम)

का

आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग

आरईसी के बारे में

उभरती अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मजबूत बिजली क्षेत्र की मजबूत नींव स्थापित करने के सरकार के पोषित सपने को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र संगठन आरईसी की स्थापना 1969 में की गई थी। गंभीर सूखे के समय में, अग्रणी व्यक्तियों ने अनुकूलित सिंचाई के लिए कृषि पंप सेटों को सक्रिय करके मानसून पर कृषि की निर्भरता को कम करने की मांग की। इसके बाद, हमने नए रास्तों की ओर कदम बढ़ाया और आज अपने क्षितिज का विस्तार करते हुए, सभी क्षेत्रों में बिजली क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने में अग्रणी के रूप में उभरे हैं, चाहे वह उत्पादन, पारेषण और वितरण हो।

विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक नवरत्न कंपनी के रूप में, हमें लगातार 24 वर्षों तक सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के संदर्भ में 'उत्कृष्ट' दर्जा दिया गया है। हमने अपना कारोबार विभिन्न परिपक्वता अवधि के बाजार उधारों के साथ पाया, जिसमें विदेशी उधारों के अलावा बॉण्ड और सावधि ऋण भी शामिल हैं। घरेलू स्तर पर, हम क्रिसिल, आईसीआर, आईआरआरपीएल और केयर से उच्चतम क्रेडिट रेटिंग प्राप्त हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें संप्रभु रेटिंग के बराबर दर्जा दिया गया है। उच्च योग्य और अनुभवी पेशेवरों के कुशल नेतृत्व के तहत, जिसने हमारे सभी कर्मचारियों की व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है, हमने वित्तीय वर्ष 1998 से लगातार लाभ मार्जिन बनाए रखा है और हर साल लाभांश का भुगतान किया है। इस प्रकार हमने खुद को **50,000** करोड़ रुपये से अधिक की निवल संपत्ति के लिए प्रेरित किया है।

हम इस तथ्य का उचित संज्ञान लेते हैं कि हम अपनी शानदार सफलता का श्रेय अपने ग्राहकों, अपने कार्मिकों की अटूट प्रतिबद्धता और 25 कार्यालयों के माध्यम से हमारी देशव्यापी उपस्थिति को देते हैं जो आसान पहुंच सुनिश्चित करता है। देश की कुल बिजली क्षमता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद, हम सस्ती, सुलभ और टिकाऊ बिजली प्रदान करने के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा बनाने में मदद करने के लिए तैयार हैं।

आरईसीआईपीएमटी के बारे में

भारत सरकार के अधीन सीपीएसई आरईसी लिमिटेड के तत्वावधान में स्थापित आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी) एक विद्युत क्षेत्र का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जो केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा मान्यता प्राप्त है। आरईसीआईपीएमटी पिछले चार दशकों से अधिक समय से बिजली क्षेत्र के मानव संसाधन विकास के लिए समर्पित रूप से काम कर रहा है। पिछले चार दशकों के दौरान, आरईसीआईपीएमटी ने बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय क्षेत्र से संबंधित तकनीकी, प्रबंधन, वित्त और लेखा, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऊर्जा संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

दृष्टि

बिजली इंजीनियरों/प्रबंधकों तक पहुंच, उन्हे शिक्षित करना, प्रेरित करना, पोषण करना, प्रबुद्ध करना और सक्रिय करना और उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए मानव संसाधनों में गुणवत्ता सुधार के लिए प्रयास करना।

आरईसीआईपीएमटी भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) के तहत देश भर में ग एवं घ वर्ग के कार्मिकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय और कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। 31 मार्च 2023 तक, आरईसीआईपीएमटी ने विभिन्न बिजली उपयोगिताओं के **2,91,352** ग एवं घ वर्ग के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया है। आरईसीआईपीएमटी ने 11वीं योजना के दौरान बिजली वितरण फ्रेंचाइजी के लिए **41,016** प्रशिक्षण का भी आयोजन किया है।

मिशन

विद्युत क्षेत्र के मानव संसाधन विकास के अपने अनुभव, विशेषज्ञता को साझा करने और बिजली उपयोगिताओं के प्रबंधकीय कार्मिकों को प्रबुद्ध करने के लिए लिए वैश्विक उत्कृष्टता की एक संस्था का निर्माण करना।

आरईसीआईपीएमटी अंतरराष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र के संगठनों के कार्यपालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। अब तक, **102** देशों के **1,839** कार्यपालकों को अंतरराष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र के कार्यपालकों को **109** बैचों के प्रशिक्षण का आयोजन करके प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण की अवधि 4-12 सप्ताह तक हो सकती है। मार्च 2023 तक, संस्थान ने विभिन्न विद्युत यूटिलिटियों जैसे उत्पादन, पारेषण और वितरण कंपनियों, बिजली विभागों, ग्रामीण विद्युत सहकारी समितियों, नियामक आयोग, ग्रामीण विकास एजेंसियों, बैंकों, सीपीयू आदि से **3,119** प्रशिक्षण कार्यक्रम और **68,641** इंजीनियरों/प्रबंधकों का आयोजन किया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर - 2023-2024

1. विद्युत अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरईसीआईपीएमटी द्वारा राष्ट्रीय विद्युत क्षेत्र की उपयोगिताओं में काम करने वाले अधिकारियों के लिए अत्याधुनिक विषयों और वर्तमान परिदृश्य से संबंधित क्षेत्रों पर राष्ट्रीय नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों विषयों पर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा, वित्त, प्रबंधन, मानव संसाधन और विद्युत क्षेत्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। वर्ष 2023-24 के लिए क्लासरूम मोड के माध्यम से प्रस्तावित राष्ट्रीय नियमित कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक/दिनों की संख्या	समन्वयक एस/श्री
1	**वितरण ट्रांसफार्मर - संचालन और रखरखाव अभ्यास और विफलता न्यूनीकरण**	**25-28 जुलाई 2023/4 दिन**	**डॉ. आरएम नफी**
विद्युत उपकरणों की सामग्री और विनिर्माण में हालिया विकास, वितरण ट्रांसफार्मर का डिजाइन और विनिर्माण, वितरण ट्रांसफार्मर का निर्माण, परीक्षण और चालू करना, ट्रांसफार्मर तेल की विशेषताएं, निस्पंदन और पुनर्ग्रहण तकनीक, वितरण ट्रांसफार्मर का रखरखाव, वितरण ट्रांसफार्मर का संरक्षण और विफलता विश्लेषण।			
2	ईएचवी सब-स्टेशन, लाइनों और गुणवत्ता आश्वासन का ओ एंड एम	**8-11 अगस्त 2023/4 दिन**	सुधीर चोपड़े
ईएचवी उपकरण चयन और आकार, ईएचवी उपकरण निर्माण, संचालन और रखरखाव, ईएचवी उपकरण की स्थिति की निगरानी, ट्रांसफार्मर और लाइनों की सुरक्षा, ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण, चालू करना, संचालन और रखरखाव, आपातकालीन बहाली प्रणाली; हॉट लाइन रखरखाव और सुरक्षा पहलू			
3	पावर ट्रांसफार्मर - परीक्षण, चालू करना, सुरक्षा और रखरखाव	**22-25 अगस्त 2023/4 दिन**	**डॉ. आरएम नफी**
पावर ट्रांसफार्मर - संचालन के सिद्धांत, समानांतर संचालन, ओएलटीसी और निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग में सर्वोत्तम कार्यप्रणाली, ट्रांसफार्मर तेल - मानक - बिजली ट्रांसफार्मर का परीक्षण और तेल निस्पंदन - आवधिक, निवारक और ब्रेक डाउन रखरखाव और पावर ट्रांसफार्मर विफलता विश्लेषण, स्थिति की निगरानी पावर ट्रांसफार्मर - डीजीए, फुरान और आरएलए, सुरक्षा प्रणाली - डिजिटल और संख्यात्मक, पृथ्वी प्रतिरोध की अर्थिंग, फैक्टरी परीक्षण और कनेक्शन आरेख के साथ प्रक्रिया			
4	**वितरण क्षेत्र के लिए स्मार्ट मीटरिंग प्रौद्योगिकियां**	**12-15 सितम्बर 2023/4 दिन**	**हिमाबिन्दु**
मीटरिंग की आवश्यकता, पारंपरिक की तुलना में उन्नत मीटरिंग, आवश्यकताएं, स्मार्ट मीटर, घटक, स्मार्ट मीटर (एचईएस, एमडीएम), महत्वपूर्ण विशेषताएं, ग्रिड का डिजिटलीकरण, उप-पारेषण और वितरण नेटवर्क के बुनियादी ढांचे के उन्नयन की आवश्यकता, एडवांस मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई) - प्रौद्योगिकियां बाजार में उपलब्ध, विशिष्टताओं को अंतिम रूप देना, मानक बोली दस्तावेज, खरीद पद्धतियां, (टीओटीईएक्स, सीएपीईएक्स, ओपीई एक्स) बोली और खरीद से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।			
5	सामान्य नेटवर्क एक्सेस (ओपन एक्सेस), पावर ट्रेडिंग और विनिमय	**12-15 सितम्बर 2023/4 दिन**	रमेश बेथा
सामान्य नेटवर्क एक्सेस, ओपन एक्सेस - विद्युत अधिनियम, नए संशोधन, बह्-खरीदार और बह्-विक्रेता वातावरण में पावर ट्रेडिंग; उपलब्धता आधारित टैरिफ - अवधारणा और महत्व, संतुलन और निपटान तंत्र; बदले हुए परिदृश्य में पावर ट्रेडिंग नियम; नियामक आयोगों की भूमिका - बिजली बाजार के लिए खुली पहुंच की चुनौतियां			
6	विद्युत उपयोगिताओं के लिए मानव संसाधन प्रबंधन में सर्वोत्तम कार्यप्रणाली	**10-13 अक्टूबर 2023/4 दिन**	सुधीर चोपड़े
विद्युत क्षेत्र का परिदृश्य, मुद्दे और चुनौतियाँ, विद्युत क्षेत्र में गतिशीलता, हितधारकों की अपेक्षाएँ और नवीन मानव संसाधन प्रणालियों को अपनाकर उन्हें कम करना, सीखने का माहौल विकसित करना, प्रशिक्षण और विकास की भूमिका, मूल्य और नैतिकता, व्यवहार संबंधी पहलू, प्रेरणा, कार्य जीवन संतुलन और एक संगठन को विन-विन परिदृश्य में काम करने के लिए सर्वोत्तम स्थान बनाना।			

अनुवाद किया जा रहा है।